4 हुआ सवेरा

23HHTC

हुआ सवेरा चिड़ियाँ बोलीं,
बच्चों ने तब आँखें खोलीं।
अच्छे बच्चे मंजन करते,
मंजन करके कुल्ला करते।
कुल्ला करके मुँह को धोते,
मुँह धो करके रोज नहाते।
रोज नहाकर खाना खाते,
खाना खाकर पढ़ने जाते।

बच्चों से उनकी दिनचर्या पर बात करें। कविता का अभ्यास हाव–भाव एवं लय से कराएँ। संतुलित दिनचर्या, स्वच्छता, सूर्योदय से पूर्व उठना, समय से पढ़ना, लिखना, खाना, खेलना आदि के महत्त्व के बारे में चित्रों की सहायता से चर्चा करें। सामान्य शिष्टाचार की जानकारी दें।